Dr. Kumari Priyanka

History department

H.D jain college,ara

Notes for pg semester 2

प्लेटो की आदर्श राज्य की अवधारणा (Plato's Concept of Ideal State)

1. भूमिका

प्लेटो (427-347 ई.पू.) प्राचीन यूनानी दार्शनिक थे। उनकी प्रमुख कृति 'रिपब्लिक' (The Republic) में आदर्श राज्य की संकल्पना प्रस्तुत की गई है।

प्लेटो का उद्देश्य न्यायपूर्ण, नैतिक और सद्गुणी राज्य की स्थापना था, जहाँ व्यक्ति और राज्य दोनों का नैतिक विकास हो।

2. आदर्श राज्य का उद्देश्य

प्लेटो के अनुसार राज्य का मुख्य उद्देश्य है–

न्याय की स्थापना,नागरिकों का नैतिक उत्थान

सामूहिक कल्याण (Common Good)

राज्य केवल जीवन-निर्वाह के लिए नहीं, बल्कि श्रेष्ठ जीवन (Good Life) के लिए होता है।

3. राज्य की उत्पत्ति का सिद्धांत

प्लेटो के अनुसार राज्य की उत्पत्ति का कारण है–

मानव की आवश्यकताएँ,व्यक्ति की अपूर्णता

कार्य-विभाजन (Division of Labour)

कोई भी व्यक्ति आत्मनिर्भर नहीं होता, इसलिए समाज और राज्य का निर्माण होता है।

4. आदर्श राज्य की वर्ग-व्यवस्था

प्लेटो ने राज्य को तीन वर्गों में विभाजित किया–

(क) दार्शनिक शासक (Philosopher Kings)

राज्य का सर्वोच्च वर्ग,ज्ञान और विवेक से युक्त,शासन का अधिकार इन्हें

निजी संपत्ति और परिवार का निषेध

कथन:

“जब तक दार्शनिक राजा नहीं बनेंगे या राजा दार्शनिक नहीं होंगे, तब तक राज्य में न्याय संभव नहीं।”

(ख) संरक्षक / सैनिक वर्ग (Auxiliaries)

राज्य की रक्षा,आंतरिक व्यवस्था बनाए रखना,साहस और निष्ठा इनका गुण

(ग) उत्पादक वर्ग (Producers)

किसान, कारीगर, व्यापारी,आर्थिक गतिविधियाँ,राज्य शासन में भाग नहीं

5. न्याय की अवधारणा

प्लेटो के अनुसार न्याय का अर्थ है–

“हर व्यक्ति अपने स्वभाव के अनुसार अपना कार्य करे और दूसरे के कार्य में हस्तक्षेप न करे।”

शासक शासन करें,सैनिक रक्षा करें,उत्पादक उत्पादन करें

यही सामाजिक न्याय है।

6. शिक्षा प्रणाली

प्लेटो ने शिक्षा को राज्य की आत्मा कहा।

शिक्षा के चरण:

संगीत और व्यायाम (बाल्यावस्था),गणित, ज्यामिति, खगोल,दर्शन (30 वर्ष के बाद)

व्यावहारिक शासन प्रशिक्षण

शिक्षा का उद्देश्य– आत्मा का विकास।

7. साम्यवाद का सिद्धांत (Communism of Property & Family)

केवल शासक और सैनिक वर्ग के लिए,निजी संपत्ति और परिवार निषिद्ध,स्त्री-पुरुष समान,बच्चों का सामूहिक पालन

उद्देश्य–

स्वार्थ का अंत,राज्य की एकता

8. नारी की स्थिति

स्त्रियाँ पुरुषों के समान सक्षम,उन्हें शिक्षा और शासन का अधिकार

लैंगिक समानता का समर्थन

9. आदर्श राज्य की विशेषताएँ

नैतिक और न्यायपूर्ण राज्य,दार्शनिक शासन,कठोर वर्ग-व्यवस्था

शिक्षा पर अत्यधिक बल,व्यक्ति राज्य के अधीन

10. आलोचना

अरस्तू एवं आधुनिक विद्वानों ने आलोचना की–

राज्य अत्यधिक आदर्शवादी,व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभाव

साम्यवाद अव्यावहारिक,वर्ग-व्यवस्था कठोर,लोकतंत्र विरोधी

11. मूल्यांकन

यद्यपि प्लेटो का आदर्श राज्य व्यवहार में लागू नहीं हुआ, फिर भी–

यह राजनीतिक दर्शन की आधारशिला है।न्याय, शिक्षा और नैतिकता पर गहरा प्रभाव,आधुनिक राजनीतिक चिंतन को दिशा देता है

12. निष्कर्ष

प्लेटो का आदर्श राज्य एक नैतिक दर्शन है, न कि व्यावहारिक राजनीतिक मॉडल। इसका महत्व इसके दार्शनिक आदर्शों में निहित है।